

खबर संक्षेप

भेड़ पालन बना आय का जरिया

जगदलपुर। बकावंड विकासखंड के तोंगकोगेरा निवासी प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र देवांगन ने भेड़ पालन की दिशा में जो कदम बढ़ाया था, आज वह उनके परिवार के लिए लाभकारी व्यवसाय बन चुका है। सुरेन्द्र बताते हैं कि भेड़ पालन की शुरुआत करने से पहले उन्होंने इस व्यवसाय की बारीकियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने का इरादा किया। इसके लिए उत्तरप्रदेश के मथुरा चले गए और वहां रहकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। हालांकि इस यात्रा और प्रशिक्षण में उनके करीब 20 से 25 हजार रुपये खर्च हुए, लेकिन वहां से मिले व्यावहारिक अनुभव ने उनके इस नए सफर की मजबूत नींव रख दी। मथुरा से लौटने के बाद उन्होंने योजना के तहत आवेदन पशुपालन विभाग में प्रस्तुत किया। लगभग 28 लाख रुपये की लागत वाले इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए उन्हें शासन से 10 लाख रुपये का अनुदान (सब्सिडी) स्वीकृत हुआ। शेष राशि 15 लाख रुपये का बैंक ऋण लेकर किया। व्यवसाय के शुरुआती दिनों में सुरेन्द्र ने 105 भेड़ों 100 मादा और 5 नर के साथ कदम आगे बढ़ाए थे। उनकी लगातार देखरेख का ही नतीजा है कि आज उनके पास भेड़ों का कुनबा बढ़कर 136 तक पहुंच चुका है।

एक्सपोर्ट अवेयरनेस कैप कल

जगदलपुर। बस्तर जिले के उद्यमियों और व्यवसायियों के तैयार स्थानीय उत्पादों को अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने जा रही है। निर्मित वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने और प्रक्रिया में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के निवारण के उद्देश्य से एक विशेष पहल की गई है। इसके तहत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र विदेश व्यापार महानिदेशालय नागपुर के सहयोग से 14 अगस्त को कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में एक दिवसीय एक्सपोर्ट अवेयरनेस कैप एवं ई-कॉमर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला के माध्यम से जिले के व्यवसायियों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की संभावनाओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के जरिए अपने उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा। समिट में विशेषज्ञों द्वारा निर्यात संबंधी कानूनी और तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, जिससे स्थानीय उद्यमी अपनी बाधाओं को दूर कर आसानी से अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें।

पीएम सूर्य घर योजना शिविर में पहुंचे उपमोक्ता



जगदलपुर। शहर के शहीद पार्क के पास बुधवार को पीएम सूर्य घर योजना पर शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर का विद्युत निरीक्षण जगदलपुर (शहरीय) संभाग के कार्यपालन अभियंता एनआर भागत, कनिष्ठ अभियंता डीसी मांझी, चिराग साहू द्वारा निरीक्षण कर उपभोक्ताओं समझाईश दी गई। शिविर में विद्युत कंननी के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

बीईटीओ व पर्यवेक्षक ने किया पोषण दिवस का औचक निरीक्षण



जगदलपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड के बीईटीओ पदमनी लाल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड के पर्यवेक्षक दिनेश पराते ने सेंक्टर करपावंड के बीजागुड़ा पारा में ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का औचक निरीक्षण किया। जच्चा बच्चा रक्षा कार्ड (एम सीपी) कार्ड अधूरा न भरने हेतु एएनएम का समझाया। दिवस में गंभीर कुपोषित बच्चों को एनआरसी (पोषण पुनर्वास केन्द्र) बकावंड में भेजने हेतु उपस्थित स्टाफ मितानीन और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का प्रेरित किया। प्रतिमाह

9 व 24 को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के अन्तर्गत सभी गर्भवतियों की जांच हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भेजने हेतु बताया। गर्भवती माताओं को गर्भधारण करने से प्रथम माह में एएनएम के पास पंजीयन कर फोलिक एसिड की दवा पहले माह से तीन महीने तक खाने के लिए समझाया। इस अवसर पर एएनएम विमला मौर्य, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक अनिस साय, देवकी जोशी सहित ग्राम की मितानीन उपस्थित हुए।

करकपाल सती माता मंदिर में मनाया गया अमुस त्योहार, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

करकपाल स्थित सती माता मंदिर में बुधवार को पारंपरिक 'अमुस त्योहार' पूरी श्रद्धा और अटूट आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर प्रांगण में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने माता के दरबार में माथा टेककर विधि-विधान से पूजा की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

उत्सव के दौरान आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए विशेष

खीर-खिचड़ी का वितरण, मन्जत पूरी होने पर दी गई बलि



लोकविश्वास और परंपरा का दिखा अनूठा संगम

त्योहार के दौरान कई नए श्रद्धालुओं ने भी माता के समक्ष अपनी मनोकामनाएं रखीं और मन्जत पूरी होने पर अगले वर्ष अपनी क्षमता के अनुसार बलि चढ़ाने का संकल्प लिया। पूरे दिन चले इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान करकपाल मंदिर परिसर में बस्तर की प्राचीन परंपरा, संस्कृति और स्थानीय लोकविश्वास का एक अनूठा संगम देखने को मिला।

रूप से खीर और खिचड़ी का भोग तैयार किया गया था, जिसे दिनभर महाप्रसाद के रूप में वितरित किया गया। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, सती माता से मांगी गई मन्जत पूरी होने पर कई श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार पशु-पक्षियों की बलि चढ़ाते हैं। मन्जत पूरी होने के बाद श्रद्धालु बलि के मांस को चावल के साथ माता का प्रसाद मानकर ग्रहण करते हैं। इस अवसर पर कुछ श्रद्धालुओं द्वारा मदिरा सेवन की पारंपरिक प्रथा का निर्वहन भी किया गया।

कलेक्टर-एसपी की अगुवाई में निकली मत्स्य तिरंगा बाइक रैली

गूंजा भारत माता का जयकारा

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया।

- 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक दी दस्तक
- शहर के प्रमुख चौकों से होकर गुजरी रैली
- चित्रकोट जलप्रपात पर हुआ तिरंगा यात्रा का समापन



जय' और 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी जयघोष से पूरा वातावरण देशभक्तिमय हो गया। रैली के माध्यम से नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की गई।

शहर में भ्रमण के बाद पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा और सीईओ

तन्मय खन्ना के नेतृत्व में यह रैली लोहंडीगुड़ा की ओर बढ़ी। इस दौरान उसरीबेड़ा से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप सहित जिला व जनपद पंचायत के सदस्य भी रैली में शामिल हुए। इस तिरंगा यात्रा का समापन जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चित्रकोट जलप्रपात पर हुआ।



जलप्रपात क्षेत्र में चलाया गया स्वच्छता अभियान

रैली के समापन पर सभी अधिकारियों और प्रतिभागियों ने चित्रकोट जलप्रपात क्षेत्र में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। सभी ने मिलकर जलप्रपात के आसपास के पर्यटन क्षेत्र की साफ-सफाई की और स्थानीय नागरिकों व पर्यटकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखने दिया संदेश

जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने कहा कि बाइक रैली के साथ स्वच्छता अभियान को जोड़ना एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान की परिकल्पना को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल चित्रकोट में धरातल पर उतारने का प्रयास किया गया है। हमें अपने घरों के अलावा अपने आसपास के पूरे परिसर को स्वच्छ रखने का संकल्प लेना चाहिए।

राष्ट्रप्रेम के साथ पर्यावरण संरक्षण की सीख

रैली में शामिल अधिकारियों ने कहा कि तिरंगा केवल हमारे देश की आन-खान-शान का प्रतीक नहीं, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और गौरव का भी जीवंत प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन कर एक ओर जहां राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर समाज को अपने आसपास के पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का एक संदेश भी दिया गया है।

संस्कार द गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल चिड़ईपदर में हुआ इन्वेस्टिचर सेरेमनी



हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

संस्कार द गुरुकुल स्कूल चिड़ईपदर बस्तर में इन्वेस्टिचर सेरेमनी का भव्य एवं गरिमायय आयोजन उत्साह, अनुशासन और नेतृत्व की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमित कुमार धोत्रे

नव निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों ने ली शपथ

नगर पुलिस अधीक्षक रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक अमित कुमार जैन, उपनिदेशक नूतन जैन, प्रचार्या हेमलता खेडकर, उपप्राचार्य बीरेन्द्र भारद्वाज सहित विद्यालय के शिक्षकगण, नव निर्वाचित स्कूल काउंसिल के सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मां सरस्वती की वंदना से शुरू हुआ। इन्वेस्टिचर सेरेमनी का सबसे महत्वपूर्ण एवं भावपूर्ण क्षण वह रहा,

जब नव निर्वाचित हेड व्याय, हेड गर्ल, हाऊस के प्टन, वाईस के प्टन स्कूल काँसिल सदस्यों को मुख्य अतिथि द्वारा बैज एवं सैंश पहनाकर उनके पद की गरिमा प्रदान की गई। इसके पश्चात नव निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों ने अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा एवं अनुशासन के साथ निर्वहन करने की शपथ ली। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए एक अत्यंत सरल, प्रभावशाली और यादगार मंत्र दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों का संतुलित, सुरक्षित एवं रचनात्मक उपयोग करने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उन्हें वर्तमान समय की चुनौतियों का सामना विवेक और आत्मविश्वास के साथ करने के लिए प्रेरित किया।

एयरपोर्ट की तरह रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार में लगा लगेज स्कैनर

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

यात्रियों के सामानों की हिफाजत और जांच के लिए रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर लगेज स्कैनर लगाया गया है। एयरपोर्ट की तर्ज पर अब यात्रियों के सामान की जांच के लिए स्कैनर स्थापित किया गया है जिसे

आवाजाही करने वाले यात्रियों के सामानों की आरपीएफ स्कैनर से करेगी जांच

आरपीएफ के तैनात जवानों द्वारा जांच की जाएगी। जगदलपुर रेलवे स्टेशन के आरपीएफ इंजाचर निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर यात्रियों के सामान की जांच के लिए लगेज स्कैनर मशीन स्थापित किया गया है।

उन्होंने बताया कि लगेज स्कैनर मशीन एक सुरक्षा जांच यंत्र है। यह बिना बैग खोले उसके अंदर का सामान स्क्रीन पर दिखाता है। इसका उपयोग एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, मॉल और बड़े दफ्तरों में सुरक्षा के लिए होता है। यह हवाई अड्डों, रेलवे



स्टेशनों, कारखानों, रक्षा क्षेत्रों (सेना, वायुसेना, नौसेना), जेलों, रेस्तरां और शैक्षणिक संस्थानों जैसे स्थानों में अत्यधिक उपयोगी है। मैगटेक एक्स-रे बैगेज स्कैनर को यांत्रिक, विद्युत और विकिरण खतरों के लिए एडआरबी द्वारा प्रमाणित किया गया है। इसके अलावा इसमें खतरे का पता लगाने के लिए दृश्य और श्रव्य अलार्म, छवि संवर्धन, छवि सुधार, व्यक्ति से पैकेज लिंकेज आदि जैसी उच्च गुणवत्ता वाली विशेषताएं भी मौजूद हैं। यह मशीन विस्फोटक पदार्थों से युक्त संवेदनशील वस्तुओं की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह मशीन बैग के अंदर

मौजूद सामग्री की तस्वीरें बनाकर सुरक्षाकर्मियों की सहायता करती है। इसका उपयोग हथियारों, विस्फोटक पदार्थों के साथ-साथ पाउडर, धातु, प्लास्टिक, तरल पदार्थ और अन्य ऐसी चीजों का पता लगाने के लिए किया जा सकता है जिन्हें कोई व्यक्ति अपने साथ छिपाकर ले जा सकता है। बैगेज स्कैनर में कुछ ऐसी विशेषताएं होती हैं जो स्कैन किए गए सामानों की स्वचालित संख्या के आधार पर स्क्रीन पर अलग-अलग रंग प्रदर्शित करती हैं। इससे कर्मचारी बैग के अंदर मौजूद सामानों के प्रकारों में अंतर आसानी से पहचान सकते हैं।

उल्लूर डीएवी स्कूल में हरेली तिहार की धूम सांस्कृतिक प्रस्तुतियों संग बच्चों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प



हरिभूमि न्यूज ►► भोपालपटनम

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, उल्लूर में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पर्व 'हरेली तिहार' हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्थानीय संस्कृति से परिचित कराना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महतारी सहित कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले पारंपरिक औजारों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत विद्यालय के चारों हाउस (यजुर्वेद, अथर्ववेद, ऋग्वेद और सामवेद) के विद्यार्थियों ने हरेली थीम पर शानदार लोक नृत्य प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता

में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अथर्ववेद हाउस ने प्रथम, ऋग्वेद हाउस ने द्वितीय तथा सामवेद हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए उनके अभिभावक भी मौजूद रहे।

विद्यालय के प्राचार्य पी. वेणुगोपाल राव ने सभी को हरेली की शुभकामनाएं देते हुए पेड़-पौधों और जल संरक्षण की सीख दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण रक्षा की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन सपना गुर्रम, धन्यवाद ज्ञापन नीलम साहू ने किया तथा वरिष्ठ शिक्षक मिनेश कुमार पांडेय के मार्गदर्शन सहित समस्त स्टाफ के सहयोग से आयोजन सफल रहा।

पेज 09 के शेख ...

आटाचक्की के पीछे पुलिस की...

470 रुपए नगद, 52 प्लैत ताश और एक नीले रंग की प्लास्टिक बोरी जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की गई। मामला जमानतीय होने के कारण पुलिस ने आरोपियों को जमानत मुचलके पर रिहा कर दिया।

पुलिस ने चार जगह पर मारा छापा...

बसंत नगर नारायणपुर निवासी 46 वर्षीय निशा नेताम अपने घर के सामने महुआ शराब बिक्री के लिए रखकर ग्राहक तलाश रही है। जानकारी पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तलाशी ली। इस दौरान दो 5-5 लीटर की जरिकेन में 10 लीटर तथा 2 लीटर की प्लास्टिक बोतल में 2 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। जप्त शराब की कीमत करीब 1 हजार 800 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की।

रंगमंच के पास ट्रैक्टर धोने पर मारमीट...

दौ। विवाद बढ़ता देख हेमलता खापर्दे, मीन वर्मा, नुरेश्वर खापर्दे और जावेद अली मौके पर पहुंचे तथा बीच-बचाव का प्रयास किया। इसी दौरान बिशेखर निषाद द्वारा जावेद अली की दाहिनी कलाई के पास दांत से काटने का भी आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही उसके साथ गाली-गलौज किए जाने की बात शिकायत में कही गई है। घटना के बाद हेमंत मालिया ने अतागढ़ थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विकास निषाद और बिशेखर निषाद के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5) और 351(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है।

महेंद्र कर्मा विवि में हैडलूम-हस्तशिल्प कार्यशाला

बीएड प्रशिक्षार्थियों ने सीखी वरली कला और जनजातीय मुखौटा निर्माण के गुर

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की शिक्षा अध्ययनशाला में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के लिए हैडलूम एवं हस्तशिल्प विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने पारंपरिक एवं रचनात्मक कला विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के सभी प्रशिक्षार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षार्थियों



को वरली आर्ट, लिपन आर्ट, टेबल क्लॉथ, गुलदस्ता एवं पारंपरिक जनजातीय मुखौटा निर्माण सहित विभिन्न कलात्मक गतिविधियां सिखाई गईं। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया

तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके माध्यम से उन्हें लोककला, जनजातीय कला एवं हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा से परिचित होने तथा अपनी सृजनात्मक क्षमताओं को विकसित करने का

खबर संक्षेप

71 खिलाड़ी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा स्पर्धा पर चयनित



बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा संभागीय शालेय खेल कैलेंडर के आधार पर 11 अगस्त को बैडमिंटन, तैराकी एवं वाटरपोलो को संभागीय चयन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बस्तर संभाग के सात जिलों में से छह जिलों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिला के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित संभागीय चयन प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं सहित व्यायाम शिक्षक, कोच, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में कुल 232 प्रतिभागी एवं अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए, जिसमें 105 बालक, 78 बालिकाएं तथा 49 व्यायाम शिक्षक, कोच, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी शामिल रहे। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए किया गया। इनमें बैडमिंटन से 30, वाटरपोलो से 12 तथा तैराकी से 29 खिलाड़ी, कुल 71 खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं।

हर घर तिरंगा अभियान निकाली तिरंगा यात्रा



भोंड। जिला शिक्षा अधिकारी बलीराम बघेल के मार्गदर्शन में माध्यमिक शाला कुड़कानार में देशभक्ति की भावना जागृत करने और भारत के राष्ट्रीय झंडे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर घर तिरंगा अभियान अन्तर्गत तिरंगा यात्रा आयोजित की गई है।

नेगानार में बाल कैबिनेट का गठन

हरिभूमि न्यूज ►► दरभा

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेगानार में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए बाल कैबिनेट गठन समारोह का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, जिम्मेदारी एवं निर्णय लेने की भावना का विकास करना रहा। विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से अपने प्रतिनिधियों का चयन किया। बाल कैबिनेट में शालानायक के रूप में दशमू तथा शालानायिका के रूप में कु. दीपिका को चुना गया। इसके साथ ही अनुशासन मंत्री के रूप में विशाल एवं कु. मनबती, सांस्कृतिक मंत्री के रूप में गोपू एवं कु. नंदनी, खेल मंत्री के रूप में भगत एवं कु. दशाई, स्वस्थ

जिला प्रशासन का विद्यालयों में औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के लिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ►► सुकमा

आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को घर जैसा सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिलना चाहिए। इसके लिए छात्रावासों में स्वच्छ पेयजल, शौचालय, स्नानघर, प्रकाश एवं विद्युत व्यवस्था, सोने की व्यवस्था तथा परिसर की नियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर ने अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान शिक्षकों को दिए। कलेक्टर अमित कुमार ने मंगलवार को जिले के विभिन्न आश्रम-विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों का औचक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध शैक्षणिक एवं बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने पीटाकेबिन सुकमा, स्वामी आत्मानंद स्कूल दोरनापाल सहित आश्रम शाला नागाराम, दोरनापाल, डब्बाकोटा, मिनपा और करीगुंडम का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर भी उपस्थित रहे।

खेल, डिजिटल शिक्षा पर जोर

कलेक्टर ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेल, सांस्कृतिक एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध खेल सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार खेल गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने डिजिटल शिक्षा के संसाधनों का बेहतर उपयोग करने, विद्यार्थियों को कंप्यूटर एवं तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़ने तथा उपलब्ध स्मार्ट क्लास एवं अन्य शैक्षणिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

विद्यार्थियों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता



लगातार निगरानी व जवाबदेही सुनिश्चित करें

कलेक्टर ने कहा कि केवल निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं दुरुस्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यालयों और आश्रम-शालाओं की व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार दिखाई देना चाहिए। अधिकारी नियमित निरीक्षण करें और कमियों को चिन्हित कर उनका निराकरण सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिले के दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों में संचालित आश्रम-विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

बच्चों से किया सीधा संवाद

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर व अधिकारियों ने हारबर सेंकेंडरी स्कूल की कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। विद्यार्थियों से विषयों, पढ़ाई की स्थिति और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। विद्यार्थियों से सवाल पूछकर उनकी विषयगत समझ का भी आकलन किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को लगन, अनुशासन और नियमित मेहनत के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। गामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें प्रतियोगे परीक्षाओं और उच्च शिक्षा के लिए तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों की सुविधाओं पर फोकस

कलेक्टर अमित कुमार ने विद्यालय एवं आश्रम परिसरों में साफ-सफाई की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को घर जैसा सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिलना चाहिए। इसके लिए छात्रावासों में स्वच्छ पेयजल, शौचालय, स्नानघर, प्रकाश एवं विद्युत व्यवस्था, सोने की व्यवस्था तथा परिसर की नियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने गिराहित समय-सारणी के अनुसार नियमित और व्यवस्थित अध्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, कक्षाओं का संचालन तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को लगातार निगरानी करने पर भी उन्होंने जोर दिया। कलाजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए अतिरिक्त कक्षाएं, पुनरावृत्ति एवं विषयवार विशेष मार्गदर्शन की व्यवस्था करने की दिशा में भी कार्य करने को कहा।

15 बोरी चना और पिकअप जब्ती के बाद उठे सवाल

राशन पर कालाबाजारी का साया

हरिभूमि न्यूज ►► सुकमा

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को मिलने वाले राशन की कालाबाजारी पर प्रशासन की एक कार्रवाई ने वर्षों से उठ रहे सवालों को फिर सामने ला दिया है। गोलापल्ली में 15 बोरी चना, कुल 7.38 किंटनल, दुकान से बाहर ले जाकर अन्य स्थान पर रखे जाने के मामले में प्रशासन ने चना और परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन जब्त कर लिया है। आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 एवं 7 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

मामला सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पीडीएस के राशन की अनियमितता सिर्फ गोलापल्ली की एक दुकान तक सीमित है, पिछले कई वर्षों से जिले में राशन की कालाबाजारी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में गड़बड़ी की शिकायतें सामने आती रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर तक सरकारी चावल और अन्य खाद्यान्न के खुले बाजार में पहुंचने की चर्चाएं होती रही हैं, लेकिन अब तक व्यापक स्तर पर कार्रवाई नजर नहीं आई।



ऐसे कई गोलापल्ली हैं सुकमा जिले में

गोलापल्ली उचित मूल्य दुकान के सत्यापन में चौकाने वाला अंतर सामने आया है। जांच में चावल के स्टॉक में 124.57 किंटनल, शक्कर में 0.42 किंटनल, नमक में 4.66 किंटनल, चना में 5.13 किंटनल और गुड़ में 5.22 किंटनल का अंतर दर्ज किया गया है। यह आंकड़े अपने आप में पीडीएस व्यवस्था की निगरानी और स्टॉक मिलान की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। जब एक उचित मूल्य दुकान के सत्यापन में इतनी बड़ी मात्रा में अंतर सामने आ सकता है, तो सवाल उठाना स्वाभाविक है कि जिले की अन्य दुकानों में नियमित जांच और भौतिक सत्यापन किस स्तर पर हो रहा है। गामीणों के बीच यह सवाल भी लगातार उठता रहा है कि सरकारी चावल, चना और अन्य खाद्यान्न आखिर उचित मूल्य दुकानों से निकलकर बाजार तक कैसे पहुंच रहे हैं। यदि हितवाहियों के लिए आवंटित खाद्यान्न अनधिकृत रूप से दुकान से बाहर ले जाया जा रहा है, तो उसके परिवहन, भंडारण और संगंभित बिक्री की पूरी शृंखला की जांच जरूरी है।

खाद्य विभाग की भूमिका पर निगाहें

प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के बाद अब निगाहें खाद्य विभाग पर हैं। आखिर नियमित निरीक्षण के बावजूद इतनी मात्रा में खाद्यान्न का अंतर कैसे सामने आया? क्या स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक स्टॉक का नियमित मिलान होता है, राशन दुकान से खाद्यान्न उठाने और हितवाहियों तक पहुंचने के बीच की पूरी प्रक्रिया की निगरानी किस स्तर पर होती है? सवाल यह भी है कि यदि वर्षों से राशन की कालाबाजारी की शिकायतें मिल रही थीं, तो अब तक व्यापक कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

खामोशी तोड़े विभाग

गोलापल्ली की कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पीडीएस खाद्यान्न की निगरानी में कहीं न कहीं गंभीर चूक की गुंजाइश बनी हुई है। ऐसे में केवल एक दुकान पर कार्रवाई करने के बजाय जिलेभर की उचित मूल्य दुकानों का स्टॉक सत्यापन और परिवहन व्यवस्था की जांच किए जाने की मांग उठ रही है।

प्रशासन की कार्रवाई स्वागत योग्य

गरीबों के हिस्से का राशन किसी भी कीमत पर बाजार में नहीं पहुंचना चाहिए। गोलापल्ली में हुई कार्रवाई को प्रशासन की सख्ती के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन वास्तविक बदलाव तभी आएगा जब जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों का नियमित और निष्पक्ष भौतिक सत्यापन हो, स्टॉक में अंतर मिलने पर जिम्मेदारी तय हो और राशन की अदेख खरीद-बिक्री से जुड़े पूरे नेटवर्क तक जांच पहुंचे। पीडीएस सिर्फ राशन वितरण की व्यवस्था नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के खाद्य अधिकार से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है। इसलिए एक कार्रवाई के बाद मामला शांत होने के बजाय अब सवाल यह है कि जिले में पीडीएस की पूरी व्यवस्था की व्यापक जांच कब होगी।

सरस्वती शिशु मंदिर में हरेली धूमधान से मनी



गीदम। श्रावण मास की अमावस्या के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय गीदम में छत्तीसगढ़ का पहला तिहार हरेली हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर पारंपरिक छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक से सराबोर हो उठा। हरेली तिहार कृषि और प्रकृति से जुड़ा पर्व है। इस दिन किसान भाई खेती में सहयोग देने वाले पशुओं और हल, फावड़ा जैसे कृषि औजारों की पूजा करते हैं। अन्नपूर्णा माता और धरती माता से गांव में हरियाली, कृषि उत्पादन में वृद्धि और मवेशियों के स्वस्थ रहने की प्रार्थना की जाती है। विद्यालय में भैया-बहनों के लिए 36 प्रकार के पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया।

बचेली। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंद परिवारों के लिए प्रशासनिक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का प्रयास वरदान साबित हुआ है। नगरपालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल एवं वाई कर्मांक 16-17 के पार्षद धनसिंह नाग और श्यामलाल सेठिया की विशेष पहल पर जिला कलेक्टर देवेश कुमार धुव ने संजीवनी राहत कोष से 5 मरीजों के उपचार हेतु कुल 95,000 की सहायता राशि स्वीकृत की है। संजीवनी राहत कोष से जोगेन्द्र गुप्ता को 15 हजार, प्रभात नाग को 15 हजार, चंद्रकला बघेल को 15 हजार,

पालिकाध्यक्ष व पार्षदों के प्रयास से आर्थिक मदद



मिथुला दुर्गा को 20 हजार तथा बेल्मती को 25 हजार की सहायता प्रदान की गई है। सहायता राशि मिलने पर

मरीजों और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली है। हितवाही बेल्मती ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए

कहा, गंभीर बीमारी के कारण घर का खर्च और दवाइयों का भारी बोझ उठाना बेहद मुश्किल हो गया था। इस सहायता राशि से अब बिना किसी बड़ी चिंता के इलाज जारी रह सकेगा। इस मदद के लिए हम गौरवांतिका अध्यक्ष, क्षेत्रीय पार्षद और कलेक्टर साहब के बेहद आभारी हैं। हितवाही जोगेन्द्र गुप्ता ने कहा, अचानक आई बीमारी से आर्थिक स्थिति पूरी तरह बिगड़ चुकी थी। जनप्रतिनिधियों की पहल पर संजीवनी राहत कोष से समय पर मिली इस राशि ने हमारे परिवार को बहुत बड़ा संभल दिया है।

विशेष देव से प्रेत बाधा व बुरी शक्ति के प्रकोप से बचाने का अनुष्ठान

हरेली पर्व पर विशेष देव अनुष्ठान कर की खुशहाली की कामना

हरिभूमि न्यूज ►► कोशलनगर

प्रकृति के उपासना का पर्व अमुष खानवी त्योंहार के शुभ अवसर पर आदिवासी समुदाय के लोगों ने सुबह से लेकर देर शाम तक कई तरह की रस्में निभाईं।

बारसूर और आसपास के गाँव में पर्व को लेकर ग्रामीणों में बरदस्त उत्साह देखने को मिला। जनजाति संस्कृति एवं परंपरानुसार 12 आरस्त को बारसूर परगना के अन्तर्गत आने वाले को मुचनार, छिंदनार, रोजे, हितामेटा कोरकोटी, भटपाल नेहरुनार आदि गांव में हरेली त्योंहार के शुभ अवसर पर विशेष देव अनुष्ठान कर ग्रामीणों ने प्रेत बाधा और बुरी शक्ति के प्रकोप से बचाने का अनुरोध किया। सुबह से लेकर देर शाम तक कई तरह की रस्में निभाईं। सर्वप्रथम खेत में रोसे धान, मक्का व अन्य अनाज वर्गीय फसलों की पूजा की गई। इस दौरान परंपरानुसार किसानों ने तेंदु की



टहनी पर साज यानि जंगली भेलवा और सतावरी के पत्ते को गुलदस्ते की तरह आकर देकर खेत के बीच में गाड़ने की विधि पूरी की। इसी कड़ी में गौशाला में बंधे गाय, बैल, भेड़ बकरी आदि मवेशियों को जंगल से लाकर तैयार रसना, सतावरी आदि जड़ी बुटी की खुराक खिलाई गई। ग्रामीणों की मान्यता है कि हरेली के दिन वनौषधि खिलाने से मवेशियों पर किसी भी तरह की महामारी और बीमारी का प्रकोप नहीं होता। अन्य महत्वपूर्ण रस्म में बड्डे और सिरहा के हाथों पीड़ित व्यक्ति

स्वेच्छा से उपचार कराते हैं। इसके तहत मुचनार के ग्रामीणों ने अपना उपचार कराया। सबसे अहम और अंतिम रस्म मुख्य द्वार की चौखट पर कील ठोकने की रवायत पूरी की गई। ग्रामीणों के अनुरोध पर संबंधित के घर जाकर गाँव के लोहार के सहयोग से वड्डे की ओर से मुख्य द्वार की चौखट पर कील ठोक लोगों को भूत पिशाच व बुरी आत्मा के प्रकोप से सुरक्षित रखने का भरोसा दी गई। मुचनार निवासी श्रीमती सुमन ने बताया कि हरियाली पर्व को केवल आदिवासी

समुदाय ही नहीं बल्कि गाँव में रहने वाले सभी वर्ग के लोग मनाते है। यह हमारी प्राचीन संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। इस दिन सुबह से लेकर देर शाम तक कई तरह की रस्में निभाई जाती है। ग्राम और कुल देवता की पूजा कर पशु पक्षी के बलि देने का भी रिवाज है। ताकि देवता की कृपा ग्रामणों पर बनी रहे और वर्षभर कोई विपत्ति नहीं आए। मुचनार के लोगों ने इसी कामना करते हुए अमुष खानवी त्योंहार मनाया और प्रकृति का आभार व्यक्त किया।

सिद्धीविनायक

नवजात शिशु एवं बालरोग हॉस्पिटल

अम्बेडकर चौक के पास, रूद्री रोड, धमतरी (छत्तीसगढ़)

14 बिस्तरों का संसुविधायुक्त नवजात शिशुओं का A/C ग्राइटेड रूम की व्यवस्था एवं Ventilator की सुविधा

Multi Para Monitors / Bubble CPAP

Warmer Led Photo Therapy गैरिष्ठा के ईलाज के लिए

Centralized Oxygen एवं Suctioning की व्यवस्था

State of the art NICU including care for Preterm, Term

वातानुसृतिक बच्चों का दाँव

Low Birth Weights, Septic & Very Serious Newborn

प्रतिदिन समस्त टीकाकरण का उपलब्धता

24 घंटे पैथोलॉजी, फार्मसी, X-Ray की सुविधा उपलब्ध

समय : सुबह 10.30 से शाम 9 बजे (रविवार शाम बंद)

मो. 9981321524 / 7223011528

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL

प्रेम से समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आभित सदस्यों के उपचार उपरत प्रतिपत्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.म. शासन से मान्यता प्राप्त

9 लेवट - 7 ब कमल विलर, रायपुर (छ.ग.) 9 सिटी सेंटर- कुष्णा टीकोज के समने, 95224 66664, 62622 22003 समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666

समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज

- हड्डी एवं जोड़ों का दर्द
- नज्दों का रोग
- मानसिक रोग
- त्वचा एवं बालों का रोग
- छत्ती रोग
- मूत्र संबंधी रोग
- मधुमेह (डायाबिटीज)
- मेन्न रोग
- किडनी संबंधी रोग
- पेट संबंधी विकार
- थायरॉइड
- मांसपेशी का रोग
- अस्थमा
- गोटापा
- मल द्वाट रोग विशेषज्ञ

मिलाई लेनर-नेकुर नामर (पुई),एसवीआई बैंक के घाट, मिलवाई(छ.ग.) 95224 66605

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेटरनीटी, रिपेडन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल

उत्सवना सुविधाएं

- गर्भवती महिलाओं को संपूर्ण जांच व परामर्श
- गर्भवती एवं लीजोरेक्ता हिलोरी
- एवं बच्चेदाती का ऑपरेशन व नवबन्दी
- सर्वतुल्यधायुक्त PICU, NICU, OT

बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्बिजा, हाईड्रोसेल, हासकन सीलन की सुविधा

आयुजान काई और CSEB से कैशलेस उपचार,

TPA की सुविधा

डॉ. सी.पी.सिंह (एनबीसीएस, एनबी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलीला सिंह (एनबीसीएस, जी.ओ.सी.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620

एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, मुक्तिदा रायपुर नगर : मातृ स्मृति नंगल नगर, मातृनी मंदिर के समने, मुक्तिदा, रायपुर

अब मोतिया-बिन्द की सर्जरी से डरना छोड़िए!

अनुभवही फेको सर्जन

बिना इंजेक्शन

बिना टांके

बिना पट्टी

MICS तकनीक से सुरक्षित एवं आरामदायक सर्जरी

तेज रिकवरी, तुरंत घर वापसी कम समय में सर्जरी

प्रीमियम MULTIFOCAL / EDOF लेंस उपलब्ध

बिना इंजेक्शन के आई ड्रॉप से सर्जरी

डॉ. दिलीप लालवानी मेन्न रोग विशेषज्ञ

फेको सर्जन एवं मल्टीफोकल विशेषज्ञ

MBBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)

Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुजान काई की सुविधा उपलब्ध

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

- मूत्र रोग एवं सर्जरी
- किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- यौन संबंधी समस्याएं
- महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

मूत्र रोग एवं सर्जरी

किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज

प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज

यौन संबंधी समस्याएं

महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI

MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)

Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुजान काई की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप



दुर्गकोंदल में हरेली पर्व पर गांवों में गुंजा सुख-समृद्धि का संदेश

दुर्गकोंदल। अंचल के विभिन्न गांवों में पारंपरिक रीति-रिवाज और उत्साह के साथ हरेली पर्व मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने शीतला माता, ठाकुरदेव एवं अपने पुरखों की पूजा-अर्चना कर भाजी और चिला-रोटी का भोग अर्पित किया। साथ ही कृषि औजारों की विधिवत पूजा कर अच्छी फसल, पर्याप्त बारिश और सुख-समृद्धि की कामना की गई। ग्राम गायता की अगुवाई में ग्रामीणों ने खेतों में अच्छी फसल और समय पर बारिश के लिए देवी-देवताओं से मन्नत मांगी। परंपरा के अनुसार खेतों में उगाई गई भाजी को सबसे पहले देवी-देवताओं को अर्पित किया गया, इसके बाद ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। हरेली पर्व के अवसर पर बच्चों और युवाओं में गेड़ी चलाने को लेकर खासा उत्साह रहा। बच्चों ने बांस की गेड़ी बनाकर गेड़ी चाल की शुरुआत की। ग्रामीणों ने बताया कि यह प्राचीन परंपरा हरेली से शुरू होकर पोला पर्व तक चलती है। इस दौरान बच्चों और युवाओं ने गेड़ी चलाकर पर्व का आनंद लिया।

पुलिस के अधिकारी सम्मानित

दूतेवाड़ा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापना, आंतरिक सुरक्षा सुदृढ़ करने, जनविश्वास अर्जित करने तथा राष्ट्रहित में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारियों के साहस, अदम्य समर्पण एवं विशिष्ट कार्यों की सराहना करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा सम्मान प्रदान किया गया। इसी क्रम में आज पुलिस अधीक्षक दूतेवाड़ा चंद्रमोहन सिंह द्वारा जिले के उन अधिकारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने नक्सल उन्मूलन, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जनसुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पुलिस की विभिन्न जिम्मेदारियों के निर्वहन में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

178 वीं बटालियन ने पौधारोपण किया और दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



हरिभूमि न्यूज़ ►► दुर्गकोंदल

पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय आयुर्वेद औषधालय कोदापाखा में बीएसएफ की 178वीं बटालियन द्वारा 100 फलदार पौधों के वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल कर संरक्षण करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत औषधालय परिसर में विकसित किए जा रहे हमर सुधर औषधि उद्यान के ऑक्सीजन जोन में नीम का पौधा रोकर की गई। ग्राम पंचायत कोदापाखा के सरपंच सोमनाथ नेताम एवं बीएसएफ जवानों ने संयुक्त रूप से पौधारोपण किया। इसके बाद ग्रामीणों को आम, अमरूद, नींबू सहित विभिन्न प्रजातियों के 100 फलदार पौधे वितरित किए गए। ग्रामीण इन पौधों को गांव के अलग-अलग स्थानों पर रोपित कर उनकी देखभाल करेंगे।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। इसमें बहते प्रदूषण, पड़ते वन क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। पौधा लगाने के साथ उसकी नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि सीमा सुरक्षा के साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बल सक्रिय भूमिका निभा रहा है। औषधालय परिसर का ऑक्सीजन जोन क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में सहायक होगा। सरपंच सोमनाथ नेताम ने बीएसएफ की पहल की सराहना करते हुए ग्रामीणों से पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम में औषधालय कर्मचारी, पंचायत सदस्य, बीएसएफ जवान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय

पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, **उपाध्याय** नर्सिंग होम के सामने, धमतरी **जो.नं. : 9993010732**
लकड़ा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियावात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
कर्मरोग - दूद, खुजली, डेम्बो, भूँर में छल्ला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मरसा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरुष रोग - घातुसाव, शोथप्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, बर्हिज रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतोरोग का इलाज

धनेलीकन्हार में देशभक्ति गीतों की गुंजा, छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज़ ►► धनेलीकन्हार

हाथों में लहराता तिरंगा, जुबां पर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के गगनभेदी नारे, यह नजारा सोमवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनेलीकन्हार में देखने को मिला। देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में विद्यार्थियों के साथ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

तिरंगा यात्रा में विद्यालय के विद्यार्थी हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ शामिल हुए। विद्यार्थियों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारे लगाते हुए वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। तिरंगे के साथ कदम से



कार्यक्रम में रहे शामिल

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्य ममता गोरखामी के साथ यशवंत जैन, रमेश डड़के, अंजोरी सलाम, प्रदीप साहू, राम सिंह साहू, विमा सिंह, शर्मिला भट्ट, हुमेश्वरी खरे, प्रियंका ठाकुर, धनश्याम पटेल सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। तिरंगा यात्रा के समापन पर विद्यार्थियों में देशभक्ति का उत्साह और राष्ट्रीय एकता का संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

भारी वाहनों के बेधड़क आवागमन से पखांजूर-कांकेर की सड़कें जर्जर

60 साल पुराने अंजली पुल पर 72 टन हाड़वा का आवागमन हादसे को न्योता

हरिभूमि न्यूज़ ►► कांकेर/पखांजूर

कांकेर से परलकोट क्षेत्र की सड़कों पर महाराष्ट्र के सूरजगढ़ से लौह अयस्क लेकर दौड़ रहे भारी हाड़वा ने सड़क और करीब छह दशक पुराने अंजली पुल की मजबूती को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। 72 टन की दौड़ रही हाड़वा से परलकोट से लेकर कांकेर तक सड़क कई स्थानों पर टूट चुकी है और चार से पांच फीट तक गहरे गड्ढे होने का दावा किया जा रहा है। अंजली पुल पर दिखाई दे रही दरारों ने भी चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने सड़क और पुल की भार क्षमता की विशेषज्ञों से तत्काल जांच कराने की मांग की है। सरकार व प्रशासन के मौन साधने रहस्य किसी के समझ में नहीं आ रहा है।

महाराष्ट्र के सूरजगढ़ से करीब 50 टन लौह अयस्क लादकर चलने वाली हाड़वा का खाली वाहन वजन लगभग 22 टन बताया जा रहा है। इस तरह खनिज से लदी एक हाड़वा का कुल वजन करीब 72 टन तक पहुंच रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस सड़क और पुल का निर्माण सामान्य यातायात

क्षेत्रवासियों ने संबंधितों पर दागे सवाल, सरकार-प्रशासन मौन



सूरजगढ़ से आने वाले भारी वाहनों के कारण कांकेर से परलकोट तक चार माह में चार से पांच फीट तक हूप गहरे गड्ढे

अंजली पुल को लेकर बढ़ी चिंता

क्षेत्रवासियों को सबसे गंभीर चिंता करीब 60 वर्ष पुराने अंजली पुल को लेकर है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस पुराने पुल से वर्तमान में करीब 72 टन या उससे अधिक भार वाले वाहन गुजर रहे हैं। वागीणों का कहना है कि पुल का निर्माण उस समय के यातायात को ध्यान में रखकर किया गया था, जबकि वर्तमान में खनिज परिवहन के कारण वाहनों का भार और संख्या दोनों बढ़ गए हैं। पुल पर दिखाई दे रही दरारों को लेकर भी वागीण चिंतित हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते पुल की तकनीकी जांच और भार क्षमता का परीक्षण नहीं कराया गया तो किसी गंभीर दुर्घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। वागीण चाहते हैं कि पुल की विशेषज्ञों से जांच कराकर उसकी वास्तविक स्थिति

सड़क खराब हुई तो जिम्मेदारी किसकी?

वागीणों का कहना है कि खनिज परिवहन से आर्थिक गतिविधियां बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन इसकी कीमत आम जनता की सुरक्षा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर नहीं चुकाई जानी चाहिए। यदि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क और पुल क्षतिग्रस्त हो रहे हैं तो सड़क की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और सुरक्षा उपायों की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।

को ध्यान में रखकर किया गया था, उस पर लगातार इतने भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कें तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही हैं। चार माह के भीतर कई स्थानों पर चार से पांच फीट तक गहरे गड्ढे होने की बात भी सामने आ रही है। परलकोट से होकर गुजरने वाले मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, विद्यार्थी, मरीज और छोटे वाहन चालक आवागमन करते हैं। इसी सड़क पर भारी खनिज परिवहन के कारण लगातार दबाव बढ़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार सड़क की सतह कई जगह से टूट चुकी है और गड्ढे लगातार गहरे होते जा रहे हैं। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी वास्तविक गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सड़क का निर्माण 72 टन तक के भार वाले वाहनों की लगातार आवाजाही को ध्यान में रखकर नहीं किया गया है, तो ऐसे वाहनों का संचालन सड़क की उम्र और मजबूती पर सीधा असर डाल रहा है। धूल, गड्ढे और भारी यातायात के बीच आम लोगों का सफर भी जोखिमपूर्ण होता जा रहा है।

तालाकुरा में पारंपरिक खेलों के साथ मनाया गया हरेली तिहार

हरिभूमि न्यूज़ ►► कांकेर

ग्राम पंचायत तालाकुरा में हरेली तिहार के अवसर पर स्कूल मैदान में ग्राम पंचायत की ओर से विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजन में गांव के खिलाड़ियों, महिलाओं, युवाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मैदान में उमंग और उत्साह का माहौल रहा।

कार्यक्रम के दौरान गेड़ी दौड़, कबड्डी बालक वर्ग, वॉलीबॉल बालक एवं



बालिका वर्ग, रस्साकशी महिला एवं पुरुष वर्ग तथा गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता सहित विभिन्न पारंपरिक खेलों की माटी, आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

और खेल भावना का परिचय दिया। आयोजकों ने कहा कि हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की माटी, कृषि-किसानी, लोकसंस्कृति और परंपराओं से जुड़ा गौरवपूर्ण त्योहार है।

पुलिस अनुविभागीय अधिकारी को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज़ ►► कोन्दा

बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों के अंतर्गत रहे पुलिस अधिकारियों के तबादले आदेश के बाद एक-एक करके सभी अधिकारियों का मैदानी क्षेत्र में रवानगी चालू है। विगत छह महीनों तक कोन्दा में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी के तौर पर सेवा दें चुके डॉक्टर प्रशांत देवांगन का गरिमामय विदाई समारोह थाना कोन्दा में रखा गया था। वहीं नवपदस्थ पुलिस अनुविभागीय अधिकारी

जितेन्द्र कुम्भकार ने कार्यभार संभाला। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर



के निर्देशन में एएसपी रोहित शाह व मनोज तिकी के मार्गदर्शन में आज थाना कोन्दा में एसडीओपी प्रशांत देवांगन के जिला कबीरधाम स्थानांतरण के अवसर पर विदाई समारोह में कोन्दा थाना परिवार सहित नगर वरिष्ठ नागरिक पत्रकार मौजूद थे। इस अवसर पर

उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा एसडीओपी प्रशांत देवांगन के कार्यकाल को स्मरण करते हुए उनके मार्गदर्शन, कार्यकुशलता एवं पुलिस विभाग के प्रति योगदान की सराहना की गई तथा उनके आगामी कार्यकाल एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए

शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। वहीं नवपदस्थ एसडीओपी जितेन्द्र कुम्भकार का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया तथा उन्हें नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, आमजन की सुरक्षा एवं पुलिस-जनसहयोग को प्रभावी बनाने के साथ-साथ पुलिस एवं मीडिया के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। सुकमा पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन के प्रति संवेदनशील एवं बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

शिकायत पर कार्रवाई नहीं, लोग हैं परेशान

हरिभूमि न्यूज़ ►► पखांजूर

परलकोट क्षेत्र में एयरटेल कंपनी के नेटवर्क विस्तार कार्य के दौरान सड़क किनारे किए जा रहे गड्ढों को लेकर सड़क सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। स्टेट हाइवे-25 के किनारे कई स्थानों पर नेटवर्क केबल बिछाने के लिए खुदाई की गई है। आरोप है कि काम पूरा होने के बाद कुछ जगहों पर गड्ढों को खुला छोड़ दिया जा रहा है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार खुदाई खुले गड्ढे किसी भी समय हादसे का वाले स्थानों पर पर्याप्त चेतावनी संकेतक, बैरिकेडिंग और रिफ्लेक्टर नहीं लगाए जा रहे हैं। व्यस्त मार्ग होने के



कारण यहां दिनभर छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन रहता है। ऐसे में सड़क किनारे खुले गड्ढे किसी भी समय हादसे का कारण बन सकते हैं। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई और

स्थिति दिखाई नहीं देती। इससे चेपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ चारपहिया वाहनों के लिए भी खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग और कंपनी के अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर खुले गड्ढों को तत्काल

स्थिति दिखाई नहीं देती। इससे चेपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ चारपहिया वाहनों के लिए भी खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग और कंपनी के अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर खुले गड्ढों को तत्काल

online Booking:- www.tripuryatra.com

स्पेशल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)
कोरवा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी
राशि:- स्त्रीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- 1-4% GST
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:- 7354-411411